कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B++) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:मार्च-2025

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:मार्च-2025

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

March-2025

कार्यक्रम-विवरण

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1	03.03.2025 सोमवार	रोवर्स /रेंजर्स	पांच दिवसीय निपुण जांच शिविर का समापन	1
2	03.03.2025 सोमवार	वाणिज्य विभाग	"इम्पैक्ट ऑफ़ फाइनेंसियल लिटरेसी ऑन एम्प्लॉयमेंट" विषय पर कार्यशाला	2
3	04.03.2025 मंगलवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में विशिष्ट व्याख्यान	3
4	06.03.2025 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर का उद्घाटन	4–5
5	07.03.2025 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर का द्वितीय दिवस	5
6	07.03.2025 वृहस्पतिवार	रसायन विज्ञान विभाग	एकेडमिक ऑडिट	6
7	08.03.2025 शुक्रवार	महाविद्यालय	युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	7–8
8	08.03.2025 शुक्रवार	महाविद्यालय	राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर का तृतीय दिवस	8–9
9	09.03.2025 शनिवार	महाविद्यालय	राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर का चतुर्थ दिवस	9–10
10	10.03.2025 रविवार	महाविद्यालय	राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर का पंचम दिवस	10–11
11	11.03.2025 सोमवार	महाविद्यालय	राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर का छठवें दिवस	11–12
12	12.03.2025 मंगलवार	महाविद्यालय	सप्तदिवसीय शिविर का समापन समारोह	12–13
13	19.03.2025 बुधवार	महाविद्यालय	महन्त दिग्विजयनाथ विद्यार्थी वित्तपोषण योजना	13–14

14	20.03.2025 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	स्नातक प्रथम एवं तृतीय वर्ष के स्वागत एवं विदाई समारोह	14
15	21.03.2025 शुक्रवार	वाणिज्य विभाग	प्रदर्शनी–'शोध एवं नवाचार' विषय पर आयोजन	15
16	22.03.2025 शनिवार	अंग्रेजी विभाग	एक दिवसीय कार्यशाला आयोजन	16
17	24.03.2025 सोमवार	वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल	बी.कॉम. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु कैरियर काउंसलिंग एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग कार्यक्रम	17
18	24.03.2025 शनिवार	महाविद्यालय	वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह	18
19	25.03.2025 मंगलवार	महाविद्यालय	नवाचार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में नवाचार प्रदर्शनी	19–20
20	25.03.2025 मंगलवार	राजनीति विज्ञान विभाग	संगोष्ठी	20–21
21	26.03.2025 बुधवार	राजनीति विज्ञान विभाग	स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का विदाई समारोह	21
22	27.03.2025 वृहस्पतिवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	कॅरियर तथा स्वास्थ्य परामर्श का आयोजन	22–23
23	27.03.2025 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	स्नातकोत्तर (समाजशास्त्र)प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के स्वागत एवं विदाई समारोह	23
24	28.03.2025 शुक्रवार	शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा	परास्नातक विद्यार्थियों के विदाई समारोह	24
25	28.03.2025 शुक्रवार	प्राणि विज्ञान विभाग	एकेडमिक ऑडिट	25
26	29.03.2025 शनिवार	प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग	परास्नातक (फेयरवेल पार्टी) का आयोजन	26
27	29.03.2025 शनिवार	अंग्रेजी विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	27
28	29.03.2025 शनिवार	राजनीति विज्ञान विभाग का	एकेडमिक ऑडिट	28

रोवर्स /रेंजर्स पांच दिवसीय निपुण जांच शिविर का समापन

दिनांक–03.03.2025 को महाविद्यालय में रोवर्स /रेंजर्स पांच दिवसीय निपुण जांच शिविर का समापन हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह जी ने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसे गुण भी सिखाएं की अभाव में कैसे जिया जाए, कम संसाधन कम तकनीक एवं आपदा प्रबंधन रोवर्स /रेंजर्स सीखाता है। राष्ट्रीय एकता की भावना, आत्म अनुशासन हर व्यक्ति के सभी गुणों का विकास रेंजर्स करता है। आज इस संगठन की उपयोगिता एवं महत्व बढ़ता जा रहा है।

इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन कर रहे महाविद्यालय के रोवर लीडर डॉ० संजीत कुमार सिंह ने रोवर्स/ रेंजर्स को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से आत्मानुशासन, प्रेम,सहयोग तथा सद्भावना का विकास होता है। इस अवसर पर रेंजर लीडर डॉ० जागृति विश्वकर्मा ने आभार व्यक्त किया। इस इस शिविर का संचालन श्री अजय गुप्ता, श्रीमती इशरत सिद्दीकी तथा श्री ओम प्रकाश प्रशिक्षकों के नेतृत्व मे किया गया। शिविर के प्रथम दिवस से पंचम दिवस तक रोवर्स/ रेंजर्स द्वारा झंडा फहराना, प्रार्थना, तालियाँ बजाकर स्वागत करना, रस्सी का प्रयोग कर गांठ बांधना, टेंट लगाना, विषम परिस्थितियों में समस्याओं का समाधान करना आदि प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

March

वाणिज्य विभाग द्वारा कार्यशाला

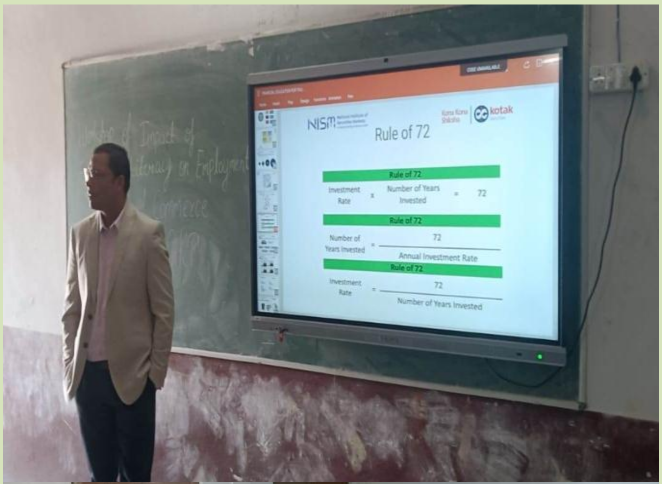

दिनांक 03.03.2025 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग में एक कार्यशाला "इम्पैक्ट ऑफ़ फाइनेंसियल लिटरेसी ऑन एम्प्लॉयमेंट" विषय पर आयोजित की गई।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. जियाउल हक, सदस्य, एन.आई.यस.एम. थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वित्तीय साक्षर व्यक्ति को वित्तीय निर्णय लेने, नुकसान से बचने और अधिक वित्तीय स्थिरता और सुरक्षा प्राप्त करने में मदद करती है। उन्होंने यह भी बताया कि किसी निवेशक के साथ किसी प्रकार की कोई फ्राड हो गया हो तो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की स्कोर्स के बेबसाइट पर जाकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

कार्यक्रम के दूसरे वक्ता डॉ. अभय कुमार मालवीय ने कहा कि वित्तीय साक्षरता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह व्यक्तियों को अपने वित्त का कुशलता पूर्वक प्रबंधन करने के लिए आवश्यक जानकारी और कौशल प्रदान करती है। **वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह ने बताया कि वित्तीय साक्षरता के अध्ययन करके व्यक्ति अहम कौशल विकसित कर लेता है** जिससे, व्यवसाय एवं रोजगार को बढ़ावा मिलता है।

March-2025

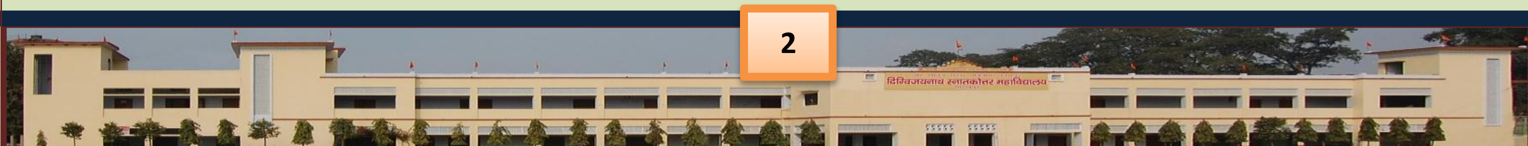

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 04.03.2025 को महाविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य **अतिथि डॉ. बलवान सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, भटवली महाविद्यालय, भटवली बाजार, उनवल, गोरखपुर थे उन्होने अपने उद्बोधन में कहा कि** 4 मार्च 1966 में श्रम मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का गठन किया गया तथा 4 मार्च 1972 से प्रत्येक वर्ष आज के ही **दिन को 'राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस' के रूप में मनाया** जाता है। **अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि प्रारंभ में आतंकवाद** के विरुद्ध पूरे विश्व में सबसे मुखर आवाज भारत ने उठाई थी। किन्तु विश्व ने उस पर ध्यान नही दिया, लेकिन जब अमेरिका पर 9/11 की आतंकवादी घटना हुई इसके बाद वैश्विक आतंकवाद पर संपूर्ण विश्व का नजरिया बदला। आज इस्लामिक आतंकवाद ने पूरी दुनिया में अपने पैर फैला दिए हैं।

March

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर का उद्घाटन

दिनांक 06.03.2025 को महाविद्यालय गोरखपुर में **राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर का उदघाटन** महाविद्यालय के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में हुआ। कार्यक्रम में **मुख्य अतिथि के रूप में गोरखपुर जनपद के बांसगांव ब्लाक के खंड विकास अधिकारी श्री अनिरुद्ध सिंह चौहान थे।** कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य **प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने किया।

कार्यक्रम दीप प्रज्वलन व महापुरुषों की प्रतिमा पर पुष्पांजलि के साथ प्रारम्भ हुआ। तत्पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्राओ द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत किया गया। अतिथि का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य व **आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के प्रभारी, प्रो. परीक्षित सिंह** के द्वारा किया गया। अतिथि के स्वागत में स्वागत गीत कार्यक्रम की छात्राओं आकृति, अल्का व शिखा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए **मुख्य अतिथि श्री अनिरुद्ध सिंह चौहान** ने कहा कि राष्ट्रीय सेवायोजना जैसा कार्यक्रम सेवा व त्याग की भावना का विकास करते है यह युवाओं को समाज व राष्ट्र को उन्नति की ओर ले जाने हेतु एक नई दिशा प्रदान करते है। इस प्रकार के कार्यक्रम सामुदायिक सेवा के माध्यम से राष्ट्र की सेवा करने हेतु युवाओं को तैयार करती है।

कार्यक्रम के **अध्यक्षीय उदबोधन के माध्यम से महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश** ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य के रेखांकित करते हुए कहा कि गांधी जी के सिद्धांतों से प्रेरित हो कर श्रम की गरिमा को स्थापित करने के साथ–साथ विद्यर्थियों के व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिये रास्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम का प्रादुर्भाव हुआ।

March-2025

कार्यक्रम का **संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी श्री पीयूष कुमार सिंह** ने व **कार्यक्रम की प्रस्ताविकी कार्यकम अधिकारी जितेन्द्र कुमार पांडेय** व **धन्यवाद ज्ञापन डॉ. निधि राय** ने किया इस अवसर पर **कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रदीप कुमार यादव** व चारो इकाईयों के स्वयंसेवक व स्वंसेविका उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के दूसरे दिन

दिनांक 07.03.2025 को महाविद्यालय में **राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के दूसरे दिन** का प्रारंभ प्रार्थना सभा व लक्ष्यगीत के साथ हुआ। तत्पश्चात स्वयं सेवक व स्वयं सेविकाओं का योग व आत्मरक्षा अभ्यास कराया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के **क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की माई भारत टीम** द्वारा विस्तृत रूप से राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में स्वयं सेवक व स्वयं सेविकाओं को अवगत कराया गया जिसमें पी. आर.डी. कैम्प में स्वयं सेवक व स्वयं सेविकायें कैसे भाग ले सकते है के बारे में विस्तृत रूप से परिचर्चा किया गया।

द्वितीय दिवस के बौधिक सत्र में महाविद्यालय के **राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी, डॉ. इन्द्रेश पाण्डेय** के द्वारा राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर अपना विचार रखें। उन्होंने कहा कि युवा इस डिजिटल युग मे बहुत सारे अनावश्यक गतिविधियों से अपने आप को बचाते हुए स्वयं, समाज तथा राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान कर सकता है।

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा एकेडमिक ऑडिट

दिनांक 07.03.2025 को महाविद्यालय गारेखपुर के रसायन विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ0 प्रतिमा सिंह के नेतृत्व में सत्र 2024–25 के एकेडमिक ऑडिट का आयोजन **प्रो0(डॉ0) उमेश नाथ त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, दी0द0उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं महाविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो0 (डॉ0) परीक्षित सिंह के संयुक्त निर्देशन में किया गया।**

प्रो0 त्रिपाठी ने महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के शैक्षणिक सत्र 2024–25 के समस्त अभिलेखों की जाँच करते हुए आवश्यक सुझाव दिया, कि शोध एवं नवाचार में अत्यधिक कार्य करने की आवश्यकता है, **उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री एवं हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री जी के ''सपनो का भारत'' के लक्ष्य को पूरा करने की लिए भारत को विश्वगुरू बनाने के लिए गुणवत्ता पूर्ण शोध एवं नवाचार पर आप लोग विशेष बल दीजिए।**

उक्त अवसर पर प्राचार्य महोदय ने अकादमी लेखा परीक्षण की गुणवत्ता पर बल देते हुए बताया की हमारे महाविद्यालय के विकास में विभागीय उपलब्धियों का ही योगदान होता है। जिस प्रकार **बी0एससी0 अंतिम वर्ष के छात्र चन्दन यादव और बी0एससी0 द्वितीय वर्ष की छात्रा शिवन्या चौधरी का का DST- INSPIRE** फेलोशिप पर चयन हुआ है, एवं परास्नातक रसायनशास्त्र की **छात्रा अनुपमा यादव का चयन मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर में शोध कार्य हेतु हुआ है**, जो विभागीय गुणवत्ता में शिक्षकों के योगदान को बताता है

March-2025

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दिनांक 08.03.2025 को महाविद्यालय गोरखपुर में महिला सशक्तिकरण, उत्पीड़न व निवारण समिति के तत्वावधान में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ''भारतीय संस्कृत में स्त्री एवं उसका योगदान'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें **मुख्य अतिथि प्रो. विपुला दूबे, भारतीय इतिहास संकलन समिति, गोरक्ष प्रान्त अध्यक्ष थी उन्होंने कहा कि** भारतीय मनीषा ने स्त्रियों को सदैव मातृभाव से देखा है। भारत में भाषा को भी मातृभाषा के रूप में जाना जाता है। इसी के साथ भारतीय संस्कृति में अर्धनारीश्वर की परिकल्पना में स्त्री पुरूष को एक समान अधिकार दिया गया है। वास्तव में स्त्री व पुरूष एक दूसरे के पूरक है। अमेरिका जैसे सशक्त देश में भी महिलाओं को सन 1908 तक वोट देने का अधिकार ही नही था। जबकि भारत की संस्कृति में संविधान लागू होने के साथ ही समान रूप से वोट देने का अधिकार था। **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि** हमारी संस्कृति में प्रारम्भिक काल से ही नारी को मर्यादा प्रदान की गयी है। यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता.... मनुस्मृति से लिया गया यह श्लोक स्पष्ट करता है कि जहॉ स्त्रियों का सम्मान होता है वहॉ देवता निवास करते है। हमारे समाज में नारी सदैव ही त्याग और करूणा की प्रतिमूर्ति रही है। **कार्यक्रम का संचालन डॉ० विभा सिंह, अतिथि परिचय डॉ.**

March

प्रियंका सिंह के द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की प्रभारी प्रो. अर्चना सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर के तीसरे दिन

दिनांक 08.03.2025 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के तीसरे दिन का प्रारंभ प्रार्थना सभा व लक्ष्यगीत के साथ हुआ। तत्पश्चात स्वयं सेवक व स्वयं सेविकाओं को योग व आत्मरक्षा अभ्यास कराया गया।

पुनः विश्व महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण विषय पर खुली परिचर्चा एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन स्वंसेवक व स्वयं सेविकाओ के मध्य कराया गया एवं पोस्टर की प्रदर्शनी लागई गयीं जिसका निरीक्षण दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. विपुला दुबे जी एवं दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. ओम प्रकाश सिंह एवं महाविद्यालय की सभी महिला प्राध्यापक रही।

निरीक्षण कर्ता टीम के द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का मूल्यांकन किया गया जिसमें प्रथम स्थान पर जिज्ञासा यादव, जीविका यादव व सुहानी चौधरी की टीम रही व दूसरे स्थान पर सृष्टि सिंह, सृष्टि राव व श्वेता की टीम रही। तीसरे स्थान पर रुबिका, तान्या व शिवांगी की टीम रही। प्रतियोगिता का सांत्वना पुरस्कार विवेक प्रजापति, प्रिंस व मृदुल की टीम को मिला।

तृतीय दिवस के बौधिक सत्र में महाविद्यालय के प्रचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग की सहायक आचार्य डॉ. कामिनी सिंह रही। **डॉ कामिनी सिंह ने महिला सशक्तिकरण विषय के सभी पहलुओ पर अपनी विचार रखते हुए कही कि** महिला सशक्तिकरण का अर्थ महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है। **कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी श्री जितेन्द्र कुमार पाण्डेय ने किया व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. निधि राय ने किया।**

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के चौथे दिन

दिनांक 09.03.2025 को महाविद्यालय में स्थित मीराबाई छात्रावास के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के चौथे दिन का प्रारंभ प्रार्थना सभा व लक्ष्यगीत के साथ हुआ। तत्पश्चात स्वयं सेवक व स्वयं सेविकाओं को योग व आत्मरक्षा अभ्यास कराया गया।

तत्पश्चात चारो इकाईयों के स्वयं सेवक व स्वयंसेविकाओ ने कैम्प स्थित निर्धारित स्थल बेतियाहाता मलीन बस्ती पहुंच कर स्वच्छता हेतु जनजागरण के साथ–साथ स्वच्छता का कार्य पूर्ण मनोयोग से किया। स्वयंसेवक व स्वयसेविकाओ ने बेतियाहाता स्थित हनुमान जी मंदिर व मंगला देवी मंदिर के परिसर व भिन्न मन्दिरो में सफाई का कार्य किया गया।

चतुर्थ दिवस के बौद्धिक सत्र में महाविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान के शिक्षक डॉ. मुदित दुबे जी ने डिजिटल साक्षरता वर्तमान समय की आवश्यकता विषय पर विस्तृत रूप से अपना विचार रखा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के पांचवे दिन

दिनांक 10.03.2025 को महाविद्यालय गोरखपुर में स्थित मीराबाई छात्रावास के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के पांचवे दिन का प्रारंभ प्रार्थना सभा व लक्ष्यगीत के साथ हुआ। तत्पश्चात स्वयं सेवक व स्वयसेविकाओ के मध्य डिजिटल साक्षरता विषय पर रंगोली कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। जिसे निर्णायक मंडल के द्वारा निरीक्षण कर के सर्वश्रेष्ठ रंगोली विजेता टीम का चयन किया गया। जिसमें विवेक प्रजापति, विनीता मझवार, तनीषा व दिक्षा की टीम को प्रथम, विधि श्रीवास्तव, पल्लवी श्रीवास्तव, निलाक्षी, सृष्टि सिंह व सृष्टि राव की टीम को द्वितीय व सुरभी, रुबिका, तान्या अनुप्रिया व पायल की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक टीम ने विजेता टीम की उज्जवल भविष्य की कामना के साथ अन्य स्थान पाने वालों को भी बधाई प्रेषित की।

पंचम दिवस के बौद्धिक सत्र में महाविद्यालय के खेल व शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ.अवधेश शुक्ला ने आयुर्वेद का ज्ञान शरीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक विषय पर

2025

बोलते हुए कहा कि आयुर्वेद, भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति, केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण जीवन शैली का विज्ञान है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के छंठवे दिन

दिनांक 11.03.2025 महाविद्यालय में गोरखपुर स्थित मीराबाई छात्रावास के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के छठे दिन का प्रारम्भ प्रार्थना सभा व लक्ष्यगीत के साथ हुआ।

स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं को योग व आत्मरक्षा अभ्यास ताईकांडों प्रशिक्षक श्री आदित्य जायसवाल के निर्देशन में सम्पन्न कराया गया। प्रशिक्षक ने स्वयंसेवक व स्वंयसेविकाओ को आत्मरक्षा के सभी विधाओं को कराया एवं सिखाया जो वर्तमान में सभी स्वंयसेवक व स्वंयसेविकाओ के लिये अत्यंत लाभदायक रहा।

कार्यक्रम के अगले चरण में स्वयंसेवक व स्वंयसेविकाओ के द्वारा सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता रैली निकाली गई जो गोरखपुर महानगर के सिविल लाइन से गोलघर होते हुए शिविर स्थल पर समाप्त हुआ।

स्वयंसेवक व स्वंयसेविकाओ के मध्य "राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया जिसे निर्णाय क मंडल के द्वारा मूल्यांकन के उपरांत चयन

किया गया। जिसमे प्रथम स्थान वैष्णवी उपाध्याय को द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से हर्षिता मालवीय व आँचल गुप्ता को तथा तृतीय स्थान प्रिया गुप्ता, शिखा राय व विनीता कुशवाहा को मिला।

छठवे दिवस के **बौद्धिक सत्र में महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विषय के सहायक आचार्य डॉ. त्रिभुवन मिश्रा ने "भारत मे जलवायु परिवर्तन की स्थिति और चुनौतियॉ" विषय पर विस्तृत ढंग से अपने विचार रखते हुए कहे कि** भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से गंभीर रूप से प्रभावित होने वाले देशों में से एक है।

सप्तदिवसीय शिविर का समापन समारोह

दिनांक 12.03.2025 को महाविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवासिय शिविर का समापन समारोह महाविद्यालय के दिग्विजय नाथ स्मृति सभागार में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोरखपुर जनपद के जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री वशिष्ठ सिंह जी

एवं विशिष्ठ अतिथि जिला युवा कल्याण अधिकारी श्री अमित सिंह रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के प्रभारी व महाविद्यालय के वरिष्ट आचार्य प्रोफेसर परीक्षित सिंह ने किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विशिष्ठ अतिथि श्री अमित सिंह ने कहा कि युवा देश के भविष्य है। अतः युवाओं

को सही दिशा मे प्रयास किया जाना चाहिए जिससे आने वाले समय मे स्वंय व समाज के प्रगति का वाहक बने।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री वशिष्ठ सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना जैसा कार्यक्रम सेवा व त्याग की भावना का विकास करते है यह युवाओं को समाज व राष्ट्र को उन्नति की ओर ले जाने हेतु एक नई दिशा प्रदान करते है। इस प्रकार के कार्यक्रम सामुदायिक सेवा के माध्यम से राष्ट्र की सेवा करने हेतु युवाओं को तैयार करती है।

कार्यक्रम के अध्यक्षीय सम्बोधन में प्रो परीक्षित सिंह ने कहा कि आज राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के समापन दिवस पर मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। यह केवल एक कार्यक्रम का अंत नहीं, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का नया अध्याय है।

महन्त दिग्विजयनाथ विद्यार्थी वित्तपोषण योजना

दिनांक 19 मार्च, 2025 महन्त दिग्विजयनाथ विद्यार्थी वित्तपोषण योजना–2025 के अन्तर्गत छात्र कल्याण समिति के द्वारा महाविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को 'आर्थिक सहायता' प्रदान करने हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया गया। आर्थिक सहायता हेतु महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के कुल 523 विद्यार्थियों को उनके द्वारा किये गए आवेदन के आधार पर आमन्त्रित किया गया था, जिसमें से कुल 443 विद्यार्थी उपस्थित रहे स साक्षात्कार के लिए कुल छः मानक–अभिवावक/परिवार की वार्षिक आय, शैक्षिक योग्यता, पाठ्य सहगामी क्रियाओं में सहभागिता, कक्षा में उपस्थिति, अभिभावक पर

आश्रितता तथा दिव्यांगता निर्धारित किए गए थे।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि साक्षात्कार तथा अभिलेखों के सत्यापन के आधार पर कुल 202 विद्यार्थियों (101 अनुदानित पाठ्यक्रम से तथा 101 स्ववित्तपोषित पाठयक्रम से) का चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों के बैंक खातों में 31 मार्च तक उनकी सहायता धनराशि (रुपया एक हज़ार मात्र/–) महाविद्यालय के प्रबंध तंत्र द्वारा भेज दिया जायेगा। महाविद्यालय ऐसे विद्यार्थियों के साथ मजबूती से खड़ा है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। यथासंभव उनके शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता प्रद ान की जाएगी। छात्र कल्याण समिति के समन्वयक डॉ. सुभाष चन्द्र ने विद्यार्थियों को अवगत कराया कि महाविद्यालय में फ्री इण्टरनेट, जिम, योग, ताइक्वाण्डो, हॉस्टल तथा विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति की सुविधा उपलब्ध है।

स्नातक प्रथम एवं तृतीय वर्ष के स्वागत एवं विदाई समारोह

दिनांक 20.03.2025 को महाविद्यालय गोरखपुर में स्नातक प्रथम एवं तृतीय वर्ष के स्वागत एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि परम्परा के निर्वहन व प्रगति के प्रदर्शन के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम प्रोत्साहित करते है। समाज में संस्कारित विद्यार्थी एक सभ्य समाज के निर्माण में सहयोगी बनते हैं। हमारी भारतीय परम्परा नवागत का स्वागत एवं वरिष्ठ के सम्मान में हमें तत्पर करती है।

सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की प्रभारी प्रो. अर्चना सिंह ने कहा कि हमारे विद्यार्थी अपनी रूचि के क्षेत्र में आगे बेहतर और अपेक्षित योगदान दें तो इस देश की प्रगति में सम्यक प्रयास होगा।

कार्यक्रम में विवेक प्रजापति को मिस्टर फ्रेशर एवं शैली को मिस फ्रेशर चुना गया। इसके साथ ही प्रशान्त मिश्रा को मिस्टर फेयरवेल एवं हिमांशी त्रिपाठी को मिस फेयरवेल चुना गया।

March-2025

वाणिज्य विभाग द्वारा एक प्रर्दशनी-'शोध एवं नवाचार' विषय पर आयोजन

दिनांक 21.03.2025 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा एक प्रर्दशनी–'शोध एवं नवाचार' विषय पर आयोजन किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के मुख्य वक्ता गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सूरज कुमार शुक्ला ने कहा कि नवाचार एक गतिशील प्रक्रिया है जहाँ विचार, वास्तविकता और मजबूती एक दूसरे से जुड़ते हैं। इन सिद्धांतों को समझना और लागू करना व्यक्तियों और व्यवसायों को अपनी नवाचार क्षमता को अधिकतम करने और सार्थक, स्थायी परिणाम प्राप्त करने की अनुमति देता है।

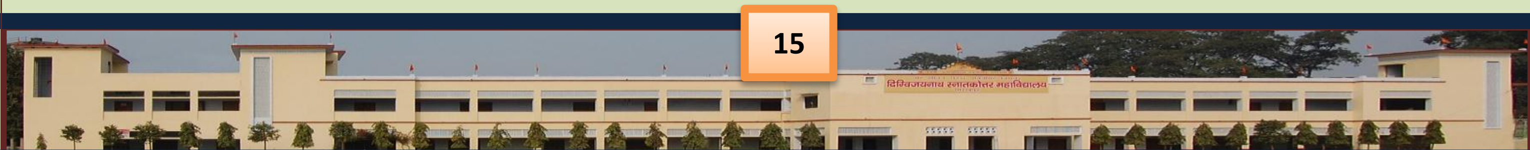

अंग्रेजी विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला आयोजन

दिनांक 22.03.2025 को **महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला** आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में **दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के अंग्रेजी विभाग के प्रो. अवनीश राय रहे।** व्याख्यान का मुख्य विषय **'इंडियन लिटरेरी ट्रेडीशनस एण्ड इंग्लिश राइटिंग इन इण्डिया'** था। उक्त शीर्षक पर मुख्य वक्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए भारतीय साहित्यिक परम्पराओं के इतिहास और भारत में अंग्रेजी लेखन के प्रादूर्भाव को सम्यक एवं विस्तृत रूप से रेखांकित किया। प्रो. राय ने कार्यशाला में अंग्रेजी शासन काल से अद्यतन अंग्रेजी लेखन में हुये विकास को कालक्रमानुसार रचना व उसके लेखक तथा उचित प्रासंगिक दृष्टांतों के माध्यम से स्पष्ट किया, जिसमें मुख्य रूप से बंकिम चन्द चटर्जी द्वारा रचित 'राजमोहनस वाईफ' एवं तोरूदत्त, अरविन्दो द्वारा रचित साहित्य का उल्लेख किया।

इस अवसर पर **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह, आई.क्यू.ए.सी. के समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह, अंग्रेजी विभाग के प्रभारी डॉ. पीयूष कुमार सिंह एवं डॉ. कुलदीप पाण्डेय, सहायक आचार्य** सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

March

बी.कॉम. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु कैरियर काउंसलिंग एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग कार्यक्रम

दिनांक 24.03.2025 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वाधान में बी. कॉम. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु कैरियर काउंसलिंग एवं इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अविनाश श्रीवास्तव, बालाजी एकेडमी, गोरखपुर थे उन्होने विद्यार्थियों को कैरियर काउंसलिंग विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि कैरियर काउंसलिंग की मदद से विद्यार्थी अपने अंदर के हुनर को पहचान पाते हैं जिससे उन्हें कैरियर का चयन करने में कोई परेशानी नहीं होती है। जिस विद्यार्थी की रूचि जिस क्षे त्र में रहती है, उस क्षेत्र में कैरियर काउंसलिंग की मदद से एक स्पष्ट सोच विकसित की जाती है। जिससे उसके स्किल में निखार आ सके।

March-2025

वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह

दिनांक 24.03.2025 को महाविद्यालय में 24 व 25 मार्च 2025 को सम्पन्न हुई वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह संवाद कक्ष में सम्पन्न हुआ।

विजयी व प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए मुख्य अतिथि श्री रामजन्म सिंह, माननीय सदस्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर थे उन्होंने कहा कि सतत् प्रयास, अनुशासन व समर्पण की भावना खिलाड़ियों का मूल गुण होता है। खेल द्वारा धैर्य, एकाग्रता व सहयोग की भावना जागृत होती है। आज के दौर में खेल का दायरा महज मनोरंजन और फिटनेस तक सीमित नही रहा है, अब खेल बेहतर भविष्य के निर्माण का पथ भी प्रशस्त कर रहा है।

वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ–साथ खेल–कूद में भी आगे बढ़ कर प्रतिभाग करना चाहिए। खेल स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मस्तिष्क के विकास हेतु अत्यन्त आवश्यक है। आज के समय खेल के क्षेत्र में शारीरिक दक्षता के साथ मानसिक दक्षता भी आवश्यक है। **क्रीड़ा परिषद के सचिव श्री अवधेश शुक्ल ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी देते हुए** बताया कि कुल 55 खिलाड़ियों सहित महाविद्यालय की वालीबाल, बास्केटबाल, कबड्डी टीम के खिलाड़ियों के साथ–साथ प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग किये हुए खिलाड़ियों को भी आज पुरस्कृत किया गया। बालक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शिव कुमार निषाद जबकि बालिका वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नन्दनी मोदनवाल ने किया। शिव कुमार निषाद का प्रदर्शन बालक व बालिक दोनों वर्गों में सर्वश्रेष्ठ रहा।

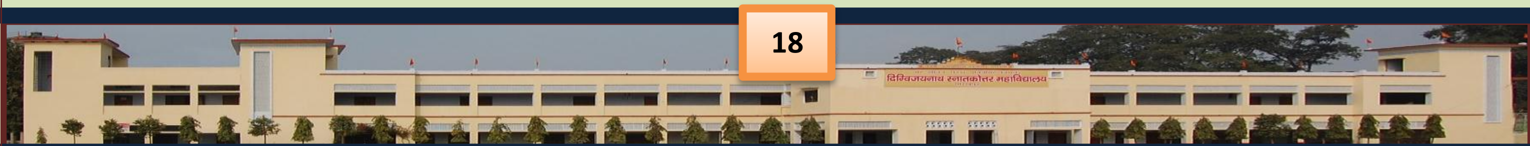

कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथि परिचय क्रीड़ा परिषद के सदस्य डॉ. नितीश शुक्ला ने किया तथा आभार ज्ञापन क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो. परीक्षित सिंह ने किया।

उक्त अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. रामप्रसाद यादव, डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह, डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह, डॉ. सरिता सिंह, डॉ. प्रतिमा सिंह सहित अनेक शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

नवाचार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में नवाचार प्रदर्शनी

दिनांक 25.03.2025 को महाविद्यालय में संस्थागत नवाचार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में नवाचार प्रदर्शनी का आयोजन महाविद्यालय के बहुउद्देशीय हाल में किया गया।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री देव कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, गोरखपुर थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारे लिए भोजन व पानी की तुलना में आक्सीजन सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिसके लिए हमें वृक्ष लगाकर वातावरण को संयमित करने का प्रयास करना चाहिए। यदि हम आने वाली पीढ़ियों को कुछ देना चाहते हैं तो उन्हें एक स्वच्छ वातावरण देने का प्रयास करना चाहिए, तुलसी व पीपल का वृक्ष हमें चौबीसों घण्टे आक्सीजन प्रदान करते हैं।

मुख्य वक्ता प्रो0 अजय सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग, दी0द0उ0, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे उन्होने कहा कि प्रारम्भिक समय में भारत में प्रतिभा होने के बावजूद संसाधनों के अभाव

में हम नवाचार को सामने नहीं ला पाते थें, परन्तु आज भारत इस दिशा में सक्षम हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटलाइजेशन ने नई क्रान्ति लायी है, आज मेडिकल साइन्स में ए.आई. का बड़े स्तर पर प्रयोग हो रहा है। **विशिष्ट अतिथि प्रो. अश्वनी मिश्रा, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर** थे। उन्होने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप वर्तमान के बारे में समझे और भविष्य निर्माण के लिए कार्य करें। पूरे भू–भाग का 33: क्षेत्र वनाच्छादित होना चाहिए, जिसके लिए हम सभी को सम्यक प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि हमारी परम्परा में साहित्य व शास्त्र भी विज्ञान की बातें करते हैं। आज डिजिटल युग का दौर है, इसलिए जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में हमें डिजीटल होना ही पड़ेगा। **उक्त कार्यक्रम की प्रस्ताविकी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने बताया कि कुल 70 नवाचार प्रदर्शनी लगायी गयी है।**

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संगोष्ठी

दिनांक 25.03.2025 को महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में विभागीय संगोष्ठी ''राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका'' विषय पर आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने अपने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

विभाग के प्रभारी श्री इन्द्रेश पाण्डेय ने कहा कि महिलाएं राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका

March-2025

को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है।

विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी देश के नागरिकों का चरित्र उस देश की दशा और दिशा तय करती है जिसमें महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विद्यार्थियों का विदाई समारोह

दिनांक 26.03.2025 को महाविद्यालय के एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों का विदाई समारोह (फेयरवेल पार्टी) का आयोजन एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीपप्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम में विद्यर्थियों द्वारा क्विज प्रतियोगिता, मूक नाट्य मंचन, विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वागत गीत व नृत्य, संगीत, सोलो नृत्य, ग्रुप नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात् क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से **मिस्टर फेयरवेल कन्हैया सिंह एवं मिस फेयरवेल दीक्षा चौहान को चुना गया।**

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यबोध और चरित्र निर्माण के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को बहुआयामी व्यक्तित्व निर्माण का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वधर्म पालन करने के लिए प्रेरित किया। **राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री इन्द्रेश पाण्डेय ने एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को** महाविद्यालय की अमूल्य निधि कहा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उन्हें प्रेरित किया और शुभकामनाएं दी।

March 2025

कॅरियर तथा स्वास्थ्य परामर्श का आयोजन

दिनांक 27.03.2025 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के द्वारा कॅरियर तथा स्वास्थ्य परामर्श का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. मंजू मिश्रा, प्राचार्य, बापू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पीपीगंज, गोरखपुर तथा डॉ. जे.के. मिश्रा, चिकित्सा अधिकारी, गोरखनाथ चिकित्सालय, गोरखनाथ, गोरखपुर के द्वारा बी.ए. भाग एक, दो तथा तीन के विद्यार्थियों का कॅरियर तथा स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर परामर्श दिया गया। जिसमें विभाग के 135 विद्यार्थियों ने अपनी समस्याओं तथा शंकाओं का समाधान प्राप्त किया।

उक्त कार्यक्रम के अवसर पर प्रो. मंजू मिश्रा ने कहा कि आज के युवा केवल सफलता से आकर्षित होते हैं जबकि उसके पीछे किए गए संघर्षो और मेहनत को नहीं जानते जिसके चलते वह अपने लक्ष्य को पाने से पूर्व ही भ्रमित हो जाते हैं। मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म युवाओं में इस भ्रम को बढ़ाने में सहायता प्रदान कर रहे हैं।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. जे.के. मिश्रा जी ने कहा कि आज के युवा विभिन्न प्रकार की मानसिक एवं शारीरिक समस्य ाओं से ग्रस्त है। इसका मुख्य कारण युवाओं में गलत खान–पान तथा अव्यवस्थित जीवनशैली है। जिसके कारण युवाओं में अवसाद तथा तनाव की समस्या एक सामान्य समस्या बन गई है। इस कारण बहुत सारे युवा गलत मार्ग पर चलने लगते हैं और नशे के आदी हो जाते हैं और उनको विभिन्न प्रकार की शारीरिक और मानसिक बीमारियां घेर

March

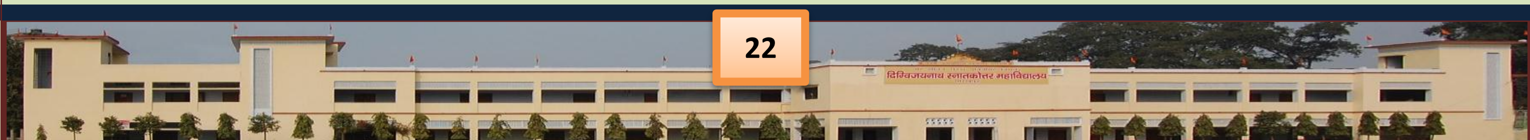

लेती हैं तथा असमय ही उनका जीवन समाप्त हो जाता है। **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि** विद्यार्थियों का समय–समय पर कॅरियर एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इससे युवाओं को अपने अंदर पनप रही नकारात्मक विचारों पर नियंत्रण करने में सहायता प्राप्त होती है।

स्नातकोत्तर (समाजशास्त्र)प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के स्वागत एवं विदाई समारोह

दिनांक 27.03.2025 को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के स्वागत एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ से पूर्व प्रकृति संरक्षण के भाव को लेकर महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य द्वारा आवले का पौधरोपण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि हमारा महाविद्यालय एक उत्सवधर्मी संस्था है। जहॉ कक्षाओं में गुणात्मक व ज्ञानवर्धक माहौल प्रदान किया जाता है। भारतीय दर्शन परम्परा का लक्ष्य है विरूद्धों में सामंजस्य, जो आज के स्वागत व विदाई समारोह में परिलक्षित होता है। **सांस्कृतिक प्रकोष्ठ एवं समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी प्रो. अर्चना सिंह ने कहा कि** हमारे विद्यार्थी अपनी रूचि के क्षेत्र में आगे बेहतर और अपेक्षित योगदान दें तो इस देश की प्रगति में सम्यक प्रयास होगा। **कार्यक्रम में शिवम पाण्डेय को मिस्टर फ्रेशर एवं रीतिका शुक्ला को मिस फ्रेशर चुना गया। इसके साथ ही रोशन शर्मा को मिस्टर फेयरवेल एवं शिवांशी पाण्डेय को मिस फेयरवेल चुना गया।**

March-2025

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा परास्नातक विद्यार्थियों के विदाई समारोह

दिनांक 28.03.2025 को महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा परास्नातक विद्यार्थियों के विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है, और इसका स्वरूप समय के साथ बदलता रहता है। यदि हम प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति की बात करें, तो यह मूल रूप से समता मूलक थी, यानी इसमें समानता, नैतिकता, और सार्वभौमिक ज्ञान को प्राथमिकता दी जाती थी। इसके विपरीत, आज की आधुनिक शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से रोजगार पर केंद्रित हो गई है, जहाँ ज्ञान को एक व्यवसायिक साधन के रूप में देखा जाता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रो. अर्चना सिंह ने आज द्रोपदी शस्त्र उठा लो कविता के माध्यम से छात्राओं को जागरुक करते हुए कहा कि 'शस्त्र उठाने' का अर्थ यहाँ केवल हथियार उठाने से नहीं, बल्कि अपने हक और सम्मान के लिए जागरूक होने से है।

March-2025

प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा एकेडमिक ऑडिट

दिनांक 28.03.2025 को महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर व प्रभारी डॉ. अनिता कुमारी के नेतृत्व में सत्र 2024–25 के एकेडमिक ऑडिट का आयोजन डॉ आर.पी. यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के निर्देशन में संपादित किया गया।

डॉ यादव ने महाविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2024–25 के समस्त अभिलेखों की जांच करते हुए आवश्यक सुझाव दिया, जिन्हें भविष्य में क्रियान्वित करने का निश्चय किया गया। इसके साथ ही उन्होंने जूलॉजिकल सोसाइटी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह छात्र–छात्राओं के अकादमिक व व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। इसके साथ ही दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा डॉ. अनिता कुमारी के निर्देशन में पूर्णकालिक पी.एच.डी स्कॉल र आवंटित होने पर डॉ. अनिता कुमारी को बधाई दी और कहा कि महाविद्यालय में शोध को बढ़ावा देने हेतु यह मिल का पत्थर साबित होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने प्राणि विज्ञान विभाग के कार्यों की प्रशंसा के साथ भविष्य में और बेहतर कार्यों के लिए सुझाव दिया। गौरतलब है कि महाविद्यालय के बीएससी बायो तृतीय वर्ष (2023–24) की छात्रा ऋचा पांडे ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा कराए जाने वाली एम.एस.सी जूलॉजी प्रवेश परीक्षा (2024) में प्रथम स्थान हासिल कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया हैं।

March-2025

प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के परास्नातक (फेयरवेल पार्टी) का आयोजन

दिनांक 29/03/2025 को महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के परास्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा परास्नातक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह (फेयरवेल पार्टी) का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के आरंभ से पूर्व प्रकृति संरक्षण के भाव को लेकर महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य द्वारा अशोक का पौधा रोपण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह ने अपने संबोधन में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं उसकी गौरवशाली विरासत पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी एवं महाविद्यालय के सांस्कृतिक समिति की संयोजिका प्रो. अर्चना सिंह ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि संकल्प एवं सिद्धि के बीच जो दूरी है, वह तभी मिट सकती है, जब विद्यार्थी अपने कर्तव्य एवं प्रयासों में पूरी ईमानदारी दिखाएं। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना से हुआ। इसके साथ ही छात्र–छात्राओं ने अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए गीत संगीत,धार्मिक गीत एवं नृत्य से संपूर्ण माहौल को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिसमें श्वेता, मोनी, रितेश, आयुषी, वर्षा, निक्की, रेनू, अरुणेंद्र, अमन, रितिका, चांदनी, हर्ष इत्यादि ने अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में मोनी एवं निखिल क्रमशः मिस फेयरवेल एवं मिस्टर फेयरवेल चुने गए। कार्यक्रम का संचालन अंकिता सिंह एवं गणेश पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के प्रभारी धीरज कुमार सिंह ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थी विशिष्ट होते हैं, बस जरूरी है कि विद्यार्थी स्वयं में छुपी विशेषता को पहचाने।

March-20

अतिथि व्याख्यान

दिनांक 29.03.2024 को महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा ''द बिलडंग्सरोमन इन विक्टोरियन फिक्सन' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें **मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. प्रफुल्ल कुमार राय, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, दीनानाथ राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, देवरिया ने** अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'बिलडंग्सरोमन' विक्टोरियन युग में लिखे गये उपन्यासों में सबसे ज्यादा प्रचलित रहा। डॉ. राय ने कहा कि 'बिलडंग्सरोमन' उपन्यास के मुख्य पात्र के आत्म–अन्वेषण एवं परिपक्वता की यात्रा है, जो कि मुख्य पात्र अपने जीवन के विभिन्न अनुभवों से उस यात्रा को तय करता है। इस प्रकार का उपन्यास मुख्य पात्र के बचपनावस्था से वयस्क (प्रौढ़ावस्था) के विषय में बतलाता है। चार्ल्स डिकेन्स द्वारा लिखे गये कालजयी रचना 'ओलिवर ट्विस्ट', 'डेविड कॉपरफिल्ड', 'ग्रेट एक्सपेक्टेशन्स' के मुख्य पात्रों के माध्यम से 'बिलडंग्सरोमन' की अवधारणा के विषय में अंग्रेजी विभाग के छात्र–छात्राओं को अवगत कराया।

राजनीति विज्ञान विभाग का एकेडमिक आडिट

दिनांक 29.03.2025 को महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग का एकेडमिक आडिट सत्र 2024–25, विभाग प्रभारी श्री इंद्रेश पाण्डेय के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

डॉ महेंद्र कुमार सिंह, असिस्टेंट प्रो राजनीति विज्ञान विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने बतौर ऑडिटर पाठ्यक्रमो, कक्षा अध्यापन, मासिक मूल्यांकन, कक्षा में विद्यार्थियों की उपस्थिति, अतिथि व्याख्यान, विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयास, संस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन विभाग में उपलब्ध संसाधन एवं विभाग द्वारा संपन्न किए जाने वाली अन्य गतिविधियों इत्यादि पर चर्चा करते हुए विभागीय पुस्तकालय में पुस्तकों के रख रखाव एवं विद्यार्थियों के उपलब्धता की प्रशंसा की तथा अन्य नवाचार हेतु अपने सुझाव भी दिए। विभाग के प्रभारी श्री इंद्रेश पाण्डेय ने विभाग के उपलब्धियों तथा शिक्षण विधियों के बारे में विस्तार से बताया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह ने विभाग के सभी शिक्षकों को अपनी बेहतर कार्य सम्पादन करने की शुभकामनाएं दीं। ऑडिट करने के बाद ऑडिट रिपोर्ट डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह ने सील बंद लिफाफे में प्राचार्य प्रो.ओम प्रकाश सिंह को सौंप दिया।